राग - भैरवी

आरोह- सा रे॒ ग॒ म प ध॒ नि॒ सां
अवरोह- सां नि॒ ध॒ प म ग॒ रे॒ सा
पकड़ - म ग॒ सा रे॒ सा ध॒ नि॒ सा रे॒ सा
थाट - भैरवी
जाति - सम्पूर्ण - सम्पूर्ण
वादी- मध्यम
संवादी- षड्ज
गायन समय- दिन का प्रथम प्रहर

स्थाई

डगर चलत छैले, श्याम सखी रे,
मैं दूंगी गाली निपट अनारी !

अन्तरा

पनियां भरत मोरी गागर फोड़ी,
नाहक बहियां मरोरी झकझोरी ।

Scanned with CamScanner

स्थाई

प प प ध	पम प ग म	प नि ध प	म ग रे सा
ऊ ग र च	ला S त हैं है	श्या S ~~[illegible]~~ म स	खी S रे S
0	3	x	2
सा ग प म	ग रे सा –	प ध नि सां	प ध प –
मैं S ढूं गि	गा S ली S	नि प ट अ	ना S री S
0	3	x	2

अन्तरा

ग मं ध नि	सां सां रें सां	नि नि सां सां	निरें सांनि ध प
प नि याँ म	र त मो री	गा S ग र	फोS SS रीS
0	3	x	2
ग प प प	प ध नि सां	नि ध प मं	गं रे सा –
ना S द क	ब हि याँ म	रो री क्ष क	क्षो S री S
0	3	x	2